BHDE-101/ई.एच.डी.–01 –
हिंदी गद्य

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
(जुलाई 2025 एवं जनवरी, 2026 सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.डी.–01 / बी.एच.डी.ई.–101
हिन्दी में ऐच्छिक पाठ्यक्रम

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली-110 068

हिन्दी में ऐच्छिक पाठ्यक्रम–03
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.डी.–01/बी.एच.डी.ई.–101

प्रिय छात्र/छात्राओ!

इग्नू में मूल्यांकन दो भागों में होता है। i) सत्रीय कार्य द्वारा सतत मूल्यांकन, और ii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परीक्षा परिणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 30 प्रतिशत अंक (100 का अधिभारित) निर्धारित है, जबकि सत्रांत परीक्षा के लिए 70 प्रतिशत अंक।

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किये गये हैं।

उद्देश्य : सत्रीय कार्य का मुख्य उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप स्वयं उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। उद्देश्य यह भी है कि अध्ययन के दौरान जो कुछ आपने सीखा और समझा है उसे आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें। यह पाठ्यक्रम हिन्दी संरचना पर आधारित है। इसके अध्ययन के उपरांत आप हिन्दी संरचना के विविध को समझ सकेंगे।

सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि

जुलाई 2025 सत्र के लिए : **30 अप्रैल, 2026**

जनवरी 2026 सत्र के लिए : **31 अक्तूबर 2026**

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

सत्रीय कार्य में आपसे मुख्य रूप से दो तरह के प्रश्न पूछे गए हैं। निबंधात्मक और टिप्पणीपरक प्रश्न। इन प्रश्नों के उत्तर आपको निर्धारित शब्दों में देने हैं।

उत्तर देने के लिए आप निम्नलिखित विधि से तैयारी करेंगे तो आपके लिए लाभप्रद होगा :

1. **अध्ययन :** सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में सभी खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से पुनर्व्यवस्थित कीजिए।

2. **अभ्यास :** अपने उत्तर का प्रारूप लिखने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार का विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्ध और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

   यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

   क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों (Paragraphs) के बीच स्पष्ट क्रमबद्धता हो,

ग) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा जो आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो।
घ) उत्तर प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक लंबा न हो, और
ङ) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3. **प्रस्तुति :** जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसको साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप ज़ोर देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

शुभकामनाओं सहित!

नोट : याद रखें कि विश्वविद्यालय के नए नियमानुसार परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सत्रीय कार्य
(खंड 1 से 7 पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.डी.–1/बी.एच.डी.ई.–101
सत्रीय कार्य कोड : ई.एच.डी.–1/बी.एच.डी.ई.–101/टी.एम.ए./2025–.26
कुल अंक : 100

भाग 'क'

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन गद्यांशों की संदर्भ व्याख्या कीजिए। 10×3=30

(क) चार दिन तक पलक नहीं झँपी। बिना फेरे घोड़ा बिगड़ता है और बिना लड़े सिपाही। मुझे तो संगीन चढ़ाकर मार्च का हुक्म मिल जाए। फिर सात जर्मनों को अकेला मारकर न लौटूं, तो मुझे दरबार साहब की देहली पर मत्था टेकना नसीब न हो।

(ख) महाराज दहेज की बातचीत ऐसे सत्यवादी पुरुषों से नहीं की जाती। उनसे संबंध हो जाना ही लाख रुपये के बराबर है। मैं इसी को अपना अहोभाग्य समझता हूँ। हां! कितनी उदार आत्मा थी। रुपयें को तो उन्होंने कुछ समझा ही नहीं। तिनके के बराबर की परवाह नहीं की। बुरा रिवाज है, बेहद बुरा! मेरा बस चले तो दहेज लेने वालों और देने वालों को गोली मार दूं; फिर चाहे फाँसी ही क्यों न हो जाए! पूछो आप लड़के का विवाह करते हैं कि उसे बेचते हैं? अगर आपको लड़के की शादी में दिल खोलकर खर्च करने का अरमान है तो शौक से खर्च कीजिए लेकिन जो कुछ कीजिए अपने बल पर। यह क्या कि कन्या के पिता का गला रेतिए! नैचता है, घोर नीचता! मेरा बस चले, तो इन पाजियों को गाली मार दूँ।

(ग) जी हाँ मैं कॉलेज में पढ़ी हूँ। मैंने बी.ए पास किया है। कोई पाप नहीं किया, चोरी नहीं की और न आपके पुत्र की तरह ताक–झांक कर कायरता दिखाई है। मुझे अपनी इज्जत अपने मान का ख्याल तो है। लेकिन इनसे पूछिए कि ये किस तरह नौकरानी के पैरों पर पड़कर अपना मुंह छिपा कर भागे थे।

(घ) राजनीति? राजनीति ही मनुष्यों के लिए सब कुछ नहीं। राजनीति के पीछे नीति से भी हाथ न धो बैठो, जिसका विश्व मानव के साथ व्यापक संबंध है। राजनीति की साधारण छलताओं से सफलता प्राप्त करके क्षण भर के लिए तुम अपने को चतुर समझ लेने की भूल कर सकते हो। परन्तु इस भीषण संसार में प्रेम करने वाले हृदय को खो देना, सबसे बड़ी हानि है। शकराज! दो प्यार करने वाले हृदयों के बीच में स्वर्गीय ज्योति का निवास है।

(ड.) यदि हम थोड़ा भी अपनी मनोवृत्ति स्थिर कर अवाक् हो अपने मन के साथ बातचीत कर सकें तो अति भाग्य। एक वाक्शक्ति मात्र के दमन से न जानिए कितने प्रकार का दमन हो गया। हमारी जिह्वा जो कतरनी के समान सदा स्वच्छंद चला करती है। उसे यदि हमने दबाकर काबू में कर लिया वो क्रोधादिक बड़े–बड़े अजेय शत्रुओं को बिन प्रयास जीत अपने वश की डाला।

भाग 'ख

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **15×4=60**

(क) हिंदी उपन्यास की विकास यात्रा पर विस्तार से चर्चा कीजिए।

(ख) 'निर्मला' उपन्यास की कथावस्तु की विशेषता बताइए।

(ग) 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आधुनिक परिवेश का मूल्यांकन कीजिए।

(घ) ''शतरंज के खिलाड़ी'' कहानी के प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए।

(ङ) 'संस्कार और भावना' एकांकी के पात्रों पर विचार कीजिए।

(च) 'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' निबंध की अन्तर्वस्तु पर चर्चा कीजिए।

3. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए :** **5×2=10**

(क) रेखाचित्र

(ख) रेडियो नाटक

(ग) निबंध के प्रकार

(घ) प्रेमचंदोत्तर उपन्यास